Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Remington GAIL 12th August 2017 shift 1
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2017-08-12 16:01:38
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	973597115
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	973597175
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	973597175
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 9735971240 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	973597116
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	973597176
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	973597176
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 9735971241 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

भारत की आधी आबादी महिला सशक्तिकरण और मुक्ति की परिभाषा गढने में कोई कसर नहीं छोडती। परंतु पुरूष प्रधान समाज की सरजमीन पर आज भी औरतों के हक में बने सरकारी कानूनों को न तो सही तरीके से अमल में लाया गया है और न ही उन पर सामाजिक अनुमति की मुहर लगी है। बिहार के सुशासन में महिलाओं को पंचायत चुनावों में पचास फीसदी आरक्षण देकर नीतीश कुमार की सरकार ने अच्छी पहल की है। लेकिन यदि महिलाओं से संबंधित दहेज निषेध अधिनियम, बाल विवाह अधिनियम आदि संबंधित कानूनों को तत्परता से लागू नहीं किया गया तो बिहार का हाल पंजाब जैसा हो जाएगा। कहा जाता है कि पंजाब राज्य में हर उस गांव को पुरस्कार दिया जाता है जो प्रत्येक एक हजार की आबादी पर नौ सौ पचास लडकियों को जन्म देता हैं। साल 2001 में हुई भारत की जनगणना के मुताबिक बिहार में प्रत्येक एक हजार पुरूष जनसंख्या पर नौ सौ इक्कीस औरतें हैं। बिहार में कई ऐसे परिवार है जो सोचते हैं कि लडकियों का जन्म एक अभिशाप है और उनके पैदा होने से जीवन की कमाई का एक बडा हिस्सा गायब ही हो जाता है। हाल में ही एक महिला आई पी एस अधिकारी ने टिप्पणी की है कि बिहार में गाय को लोग संपत्ति मानते हैं क्योंकि वह दूध देगी, बछिया या बछडा जनेगी। लेकिन जब एक इंसान के घर कन्या पैदा होती है तो मातम पिट जाता है। लोग सोचने लगते हैं कि शादी होने के बाद यह तो जाएगी ही पर साथ में पूरे जीवन की कमाई का एक बडा हिस्सा भी ले जाएगी। यही कारण है कि दहेज उत्पीडन, मादा भ्रूण हत्या, बाल विवाह जैसी कुरीतियों ने समाज को जकडा हुआ है। वसंत का मौसम शुरू होते ही बिहार में शादियों का सिलसिला शुरू हो जाता है। लडकी चाहे कितनी भी पढी लिखी और समझदार क्यों न हो लेकिन उसके पिता को अपनी अंटी में मोटी रकम रखकर ही अपनी औकात के मुताबिक दामाद खोजना होगा। इसके लिए बाकायदा रेट तय है। सिपाही या फौजी दूल्हे के लिए तीन लाख, स्कूल टीचर या क्लर्क के चार लाख, इंजीनियर, डाक्टर के पंद्रह लाख और यदि लडका आई ए एस अथवा आई पी एस जैसी सेवा में हो तो लडकी के बाप का करोडपति होना जरूरी है। बिहार के लिए यह कोई चोरी वाली बात नहीं है और ऐसा भी नहीं है कि सरकार इसे नहीं जानती। पर सवाल ये है कि आखिर सामाजिक सुधारों में कोई हाथ क्यों नही डालना चाहता। सरकार यह मानती है कि दहेज प्रथा हमारे समाज की सबसे बुरी कुरीतियों मे से एक है जिसका निराकरण भी समाज के हित में जरूरी है। इसके लिए भारतीय दंड विधान संहिता के प्रावधानों के अलावा विशेष रूप से दहेज निषेध अधिनियम लागू है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes